



Anshu

09 Oct 2003

07:30 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121620109

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 09/10/2003
दिन _____: गुरुवार
जन्म समय _____: 19:30:00 घंटे
इष्ट _____: 33:00:31 घटी
स्थान _____: Faridabad
राज्य _____: Haryana
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:24:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 19:09:12 घंटे
वेलान्तर _____: 00:12:34 घंटे
साम्पातिक काल _____: 20:20:19 घंटे
सूर्योदय _____: 06:17:47 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:58:19 घंटे
दिनमान _____: 11:40:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 21:57:27 कन्या
लग्न के अंश _____: 23:06:00 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: मीन - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: उ०भाद्रपद - 4
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: ध्रुव
करण _____: विष्टि
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गौ
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: ज--
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 1 मास 18 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
09/10/2003	28/11/2007	27/11/2024	28/11/2031	28/11/2051
28/11/2007	27/11/2024	28/11/2031	28/11/2051	27/11/2057
00/00/0000	बुध 25/04/2010	केतु 25/04/2025	शुक्र 29/03/2035	सूर्य 16/03/2052
00/00/0000	केतु 23/04/2011	शुक्र 25/06/2026	सूर्य 28/03/2036	चंद्र 15/09/2052
00/00/0000	शुक्र 20/02/2014	सूर्य 31/10/2026	चंद्र 27/11/2037	मंगल 21/01/2053
00/00/0000	सूर्य 28/12/2014	चंद्र 01/06/2027	मंगल 27/01/2039	राहु 15/12/2053
00/00/0000	चंद्र 28/05/2016	मंगल 28/10/2027	राहु 27/01/2042	गुरु 04/10/2054
00/00/0000	मंगल 26/05/2017	राहु 15/11/2028	गुरु 27/09/2044	शनि 16/09/2055
09/10/2003	राहु 13/12/2019	गुरु 22/10/2029	शनि 28/11/2047	बुध 22/07/2056
राहु 16/05/2005	गुरु 20/03/2022	शनि 01/12/2030	बुध 28/09/2050	केतु 27/11/2056
गुरु 28/11/2007	शनि 27/11/2024	बुध 28/11/2031	केतु 28/11/2051	शुक्र 27/11/2057

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
27/11/2057	28/11/2067	27/11/2074	27/11/2092	28/11/2108
28/11/2067	27/11/2074	27/11/2092	28/11/2108	00/00/0000
चंद्र 28/09/2058	मंगल 25/04/2068	राहु 10/08/2077	गुरु 15/01/2095	शनि 02/12/2111
मंगल 29/04/2059	राहु 13/05/2069	गुरु 03/01/2080	शनि 28/07/2097	बुध 11/08/2114
राहु 28/10/2060	गुरु 19/04/2070	शनि 09/11/2082	बुध 03/11/2099	केतु 20/09/2115
गुरु 27/02/2062	शनि 29/05/2071	बुध 29/05/2085	केतु 10/10/2100	शुक्र 19/11/2118
शनि 28/09/2063	बुध 25/05/2072	केतु 16/06/2086	शुक्र 11/06/2103	सूर्य 01/11/2119
बुध 26/02/2065	केतु 21/10/2072	शुक्र 16/06/2089	सूर्य 29/03/2104	चंद्र 02/06/2121
केतु 27/09/2065	शुक्र 22/12/2073	सूर्य 11/05/2090	चंद्र 29/07/2105	मंगल 11/07/2122
शुक्र 29/05/2067	सूर्य 28/04/2074	चंद्र 09/11/2091	मंगल 05/07/2106	राहु 10/10/2123
सूर्य 28/11/2067	चंद्र 27/11/2074	मंगल 27/11/2092	राहु 28/11/2108	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 1 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृत्ति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृत्ति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृत्ति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नहीं करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंहन बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नहीं मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नहीं करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्ता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।